Discuss the contribution of Comte in the field of Positivism?

Or

Critically discuss Auguste Comte's concept of Positivism?

अगस्त कॉम्ट के प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत का आलोचनात्मक वर्णन करें?

Auguste Comte फ्रांस के एक प्रमुख समाजशास्त्री थे। और बहुत हद तक प्रत्यक्षवादी सिद्धांत के जन्मदाता भी थे। इसलिए Comte को प्रत्यक्षवाद का जनक (father of Positivism) भी कहा जाता है।

Comte ने अपनी महत्वपूर्ण कृतियों में प्रत्यक्षवाद का वर्णन भिन्न-भिन्न रूपों में किया है। अतः इनका प्रत्यक्षवाद विभिन्न रूपों में परिभाषित किया जा सकता है। M.W. Vine ने भी इस तरह का विचार दिया है और लिखा है "कॉम्ट का प्रत्यक्षवाद विभिन्न रूपों में परिभाषित हो सकता है। इसकी एक परिभाषा यह है कि यह एक वैज्ञानिक विचार धारा है" (Comte's Positivism may be defined in several ways. One definition is that it is scientific.) इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि प्रत्यक्षवाद का एक अर्थ वैज्ञानिक होता है। अर्थात् यह वैज्ञानिक विचार धारा है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्षवाद एक ऐसी विचारधारा है जो निरीक्षण, प्रयोग और पुनरपरीक्षण के आधार पर किसी घटना का अध्ययन करने का विचार प्रस्तुत करता है।

Comte के अनुसार प्रत्यक्षवाद यथार्थ ज्ञान में विश्वास करता है। Comte ने अपने तीन स्तरों के नियम की अवधारणा में भी यह विचार दिया है कि धार्मिक और तात्विक पद्धतियों से किसी घटना का अध्ययन करने पर इस घटना से सम्बन्धित हमारा ज्ञान यथार्थ नहीं होगा और इस तरह के वर्णन को प्रत्यक्षवादी वर्णन नहीं कहा जा सकता। इन पद्धतियों के आधार पर घटनाओं का अध्ययन करने पर यथार्थ ज्ञान प्राप्त होना मात्र एक संयोग की बात होगी। अतः प्रत्यक्षवाद धार्मिक एवं तात्विक चिंतन से दूर रहने का विचार देता है।

Comte ने अपने प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत में इस बात का उल्लेख किया है कि तथ्यों से बाहर हमें किसी घटना की विवेचना नहीं करनी चाहिए। अर्थात् हमें उन्हीं तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए जिनका पुनरपरीक्षण संभव हो। उदाहरणार्थ – स्वर्ग-नरक, आत्मा-ईश्वर, पुनर्जन्म, कर्म-फल इत्यादि ऐसे तथ्य हैं जिनकी सत्यता को न तो हम सिद्ध कर सकते हैं और न ही अस्वीकार कर सकते हैं। अतः प्रत्यक्षवाद ऐसी घटनाओं के अध्ययन से हमें दूर रहने का विचार देता है। प्रत्यक्षवाद वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सामाजिक घटनाओं का अध्ययन करने का विचार देता है। प्रत्यक्षवाद के सम्बन्ध में Comte के इस दृष्टिकोण को Dr. Bridges ने एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि यदि एक व्यक्ति विष (जहर) खाकर मर जाता है तो इस घटना को आध्यात्मवादी 'ईश्वरीय इच्छा' या 'दैवीय विधान' (Divine Law) का फल मान लेगा। इसी तरह एक तत्वदर्शी 'मिलन और वियोग' के स्वाभाविक क्रम का अंतिम चरण कहकर इस घटना के प्रति अपना दृष्टिकोण प्रकट करेगा। इसके विपरीत एक प्रत्यक्षवादी

Scanned with CamScanner

वैज्ञानिक अर्थात् Dr. इस घटना के बारे में अनायास ही अपना विचार प्रकट नहीं करेगा बल्कि वह मृतक व्यक्ति का स्वयं निरीक्षण और परीक्षण करके उसकी मृत्यु के सम्बन्ध में अपना विचार व्यक्त करेगा। इस तरह स्पष्ट होता है कि प्रत्यक्षवाद वैज्ञानिक आधार पर प्राप्त ज्ञान को ही यथार्थ ज्ञान मानता है और उसी पर विश्वास करता है।

Comte के अनुसार प्रत्यक्षवाद एक धर्म भी है। प्रत्यक्षवाद के इस पहलू पर प्रकाश डालते हुए M. N. Vine ने भी लिखा है कि "फिर भी कॉम्ट प्रत्यक्षवाद को केवल एक विज्ञान मानकर ही संतुष्ट नहीं थे क्योंकि उनके लिए यह एक धर्म भी था।" (However, Comte was not content to consider positivism only as a science, for to him it was also a religion) Vine के इस कथन से स्पष्ट होता है कि Comte ने प्रत्यक्षवाद को एक धर्म के रूप में भी परिभाषित किया है। इनके अनुसार प्रत्यक्षवाद मानवता का एक धर्म है। Comte का प्रत्यक्षवाद को मानवता का धर्म कहने के पीछे तर्क यह है कि जो धर्म का उद्देश्य है वही प्रत्यक्षवाद का भी उद्देश्य है। धर्म का सबसे महत्वपूर्ण कार्य या उद्देश्य जनता के सम्मुख कुछ नैतिक नियमों को प्रस्तुत करना है जिसके आधार पर समाज के सदस्य एकता के सूत्र में बँध जाए और समाज में नैतिक एकता बनी रह सके। प्रत्यक्षवाद का भी यही उद्देश्य है। Comte ने बताया है कि समाज में नैतिक एकता का विकास तब होगा जब जनता का बौद्धिक स्तर या ज्ञान का स्तर उच्च होगा। जनता का बौद्धिक स्तर तब उच्च होगा जब लोग प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत में विश्वास करेंगे एवं वैज्ञानिक आधार पर घटनाओं के कारणों की खोज करेंगे। अतः प्रत्यक्षवाद लोगों में ज्ञान की वृद्धि कर उन्हें एकता के सूत्र में बांधने में सहायक होता है। इस तरह स्पष्ट होता है कि प्रत्यक्षवाद का उद्देश्य मानव का कल्याण करना है। अतः Comte के अनुसार यह प्रत्यक्षवाद मानवता का एक धर्म है।

Comte के अनुसार प्रत्यक्षवाद हमारी प्रगति का भी आधार है। इनके अनुसार मानव की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि लोगों को एक सूत्र में बाँधा जाए और ऐसा तब तक संभव होगा जब मानव ज्ञान के स्तर में वृद्धि होगी। लोगों के ज्ञान के स्तर में वृद्धि तब होगी जब विभिन्न घटनाओं के सम्बन्ध में यथार्थ ज्ञान प्राप्त होगा। यथार्थ ज्ञान की प्राप्ति प्रत्यक्षवाद के आधार पर ही हो सकती है। इस तरह यह सिद्ध होता है कि प्रत्यक्षवाद हमारी प्रगति का भी आधार है। साथ ही यह भी कहा जा सकता है कि भौतिक प्रगति के लिए नये-नये आविष्कारों का होना आवश्यक प्रतीत होता है। नये-नये आविष्कार ज्ञान की वृद्धि पर आधारित है। ज्ञान की वृद्धि प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत पर चलने से ही हो सकती है। अतः प्रत्यक्षवाद मानव समाज के कल्याण एवं प्रगति का आधार सिद्ध होता है।

Comte के प्रत्यक्षवादी विचारधारा का वर्णन करते हुए J. H. Hobhouse

ने लिखा है " प्रत्यक्षवाद वह वैज्ञानिक मत है जिसका कि उद्देश्य समस्त मानव समाजों का और विशेष कर युरोप के समाजो या राष्ट्रों का निरंतर भौतिक, बौद्धिक तथा नैतिक कल्याण करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति विशेष प्रकार के निर्देशन तथा शिक्षा के द्वारा होगी।" (positivism is a scientific doctrine which aims at continuous increase of the material, intellectual & moral well being off all human societies & in particular of societies or nations of europe. It seeks to effect this object by special modes of instruction & education) इस कथन से स्पष्ट होता है कि Comte ने सम्पूर्ण मानव समाजो और विशेषकर युरोप के समाजो या राष्ट्रों के सर्वांगिन विकास के लिए प्रत्यक्षवाद की अवधारणा विकसित किया। प्रत्यक्षवाद बताता है कि केवल भौतिक प्रगति से ही मानव का कल्याण नहीं होगा बल्कि मानव के कल्याण के लिए भौतिक विकास के साथ-साथ बौद्धिक और नैतिक विकास भी आवश्यक है।

Comte के प्रत्यक्षवाद को तीन भागों में विभाजित किया जाता है जो निम्नहैं-

(1) विज्ञानों का दर्शन → (Philosophy of sciences) → विज्ञानों के दर्शन में Comte ने बताया है कि मनुष्य को अपनी तरक्की और उन्नति के लिए अपने प्रयत्नों पर निर्भर रहना चाहिए अर्थात् Philosophy of sciences हमें यह बताता है कि मनुष्य स्वयं अपने भाग्य के विधाता है। अपनी स्थिति में सुधार के लिए हमें दुसरों पर आश्रित नहीं न रहना चाहिए बल्कि 'Self help is best help' के सिद्धांत में विश्वास करना चाहिए। इस तरह प्रत्यक्षवाद का यह विभाजन अपने प्रत्य प्रयत्नों में विश्वास करने एवं कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, न कि हमें भाग्यवादी बनाता है। विज्ञानों के दर्शन के अन्तर्गत Comte के गणितशास्त्र, खगोलशास्त्र, भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, प्राणीशास्त्र, समाजशास्त्र और नीतिशास्त्र इन सात विज्ञानों को सम्मिलित किया।

(2) वैज्ञानिक धर्म और नीतिशास्त्र (Scientific religion & ethics) → प्रत्यक्षवाद के इस विभाजन में Comte ने बताया है कि प्रत्यक्षवाद का कोई सम्बन्ध अलौकिक प्राणियों या अलौकिक शक्तियों से नहीं है। दुसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्ष धर्म का कोई भी सम्बन्ध देवी-देवताओं या अमूर्त शक्तियों से नहीं है। यह मानवता का धर्म है और मानव का कल्याण करना इसका मुख्य उद्देश्य है। इस धर्म का सम्बन्ध मानव के मूल्यों एवं नैतिकता से है और मानव कल्याण के लिए कार्य करना इस धर्म का मुख्य उद्देश्य है। प्रत्यक्षवाद का नैतिक नियम है दुसरों की भलाई के लिए नैतिक, बौद्धिक, एवं भौतिक विकास करना। प्रत्यक्षवाद केवल यही नहीं बताता है कि जीओ और दुसरों को जीने दो (Live & let-Live others) बल्कि यह इससे भी उच्च आदर्श एवं नैतिक नियम प्रस्तुत करता है और कहता है कि 'दुसरों के लिए जिंदा रहो' (Live for others)

(3) प्रत्यक्ष राजनीति (Positive Politics) → प्रत्यक्षवाद के इस भाग के अंत-

गॅत Comte ने बताया है कि प्रत्यक्ष राजनीति का मुख्य उद्देश्य संसार से युद्ध की संभावनाओं को हटाना है। अर्थात् प्रत्यक्ष राजनीति का कहना है कि युद्ध से मानव का कभी कल्याण नहीं हो सकता। अतः मानव प्राणी को युद्ध का बहिस्कार करना चाहिए और प्यार (प्रेम) के सिद्धांत के आधार पर ही कोई कार्य करना चाहिए। ऐसा करने पर ही मानव का कल्याण होगा और सर्वांगिन विकास होगा।

Comte के अनुसार Positivism ऐसे व्यावहारिक तथा वैज्ञानिक सिद्धांतों का योग है जिनके आधार पर ऐसी सामाजिक व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है जिसमे सभी व्यक्ति प्रेम और सद्भावपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए निरंतर भौतिक, बौद्धिक और नैतिक प्रगति कर सकेंगे। इस प्रत्यक्षवादी समाज में भय, दण्ड, असुरक्षा और स्वार्थ जैसी कोई चीज नहीं होगी। Positivism के द्वारा सामाजिक पुनर्निर्माण की जो प्रणाली Comte ने निर्धारित की उसकी व्याख्या करते हुए J. H. Bridges ने लिखा है, "समाज के इस पुनरनिर्माण में प्रत्यक्षवाद समस्त हिंसात्मक प्रणालियों का खंडन करता है। यह पदर्शन तथा प्रोत्साहन के द्वारा कार्य करता है, बल प्रयोग के द्वारा नहीं। इसकी प्रणाली है :- सिद्धांत का प्रेम, व्यवस्था का आधार, प्रगति का लक्ष्य। नैतिकता की दृष्टि से इसका सूत्र है→ दुसरों के लिए जीओ।" (In this transformation of Society Positivism repudiates all violent procedures. It acts by demonstration & persuation, not by compulsion its device is – Love the principle order the Basis progress the end. Morally its formula is live for others)

Rollin Chambliss ने Comte के प्रत्यक्षवाद का वर्णन करते हुए अपनी पुस्तक 'Social Thought' में लिखा है " कॉम्ट ने यह दावा किया कि प्रत्यक्षवादी भाग्यवादी नहीं है क्योंकी वह यह स्वीकार करता है कि बाहरी अवस्था मे परिवर्तन हो सकता है, यह आशावादी भी नहीं है, क्योंकी इसमें आशावाद के आध्यात्मिक आधार का अभाव है, यह भौतिकवादी भी नहीं है क्योंकी यह भौतिक शक्तियों को बौद्धिक शक्तियों के अधीन मानता है। प्रत्यक्षवाद का सम्बन्ध वास्तविकता से है, काल्पनिक से नहीं, उपयोगी ज्ञान से है, न कि समस्त ज्ञान से इसका सम्बन्ध उन निश्चित तथ्यों से जिसका कि पूर्वज्ञान संभव है।"

Chambliss ने प्रत्यक्षवादी का वर्णन करते हुए पुनः लिखा है " इसका सम्बन्ध यथार्थ ज्ञान से है, न कि अस्पष्ट विचारों से, सावयवी सत्य से है, न कि शाश्वत सत्य से, सापेक्ष से है, न कि निरपेक्ष से। अंत में प्रत्यक्षवाद इस अर्थ में सहानुभूतिपूर्ण है कि यह उन सब लोगों को एक शाश्वतपन में सम्बद्ध करता है जो कि इसके मूल सिद्धांत और अध्ययन प्रणालियों पर विश्वास करते हैं। संक्षेप में – प्रत्यक्षवाद (विज्ञान) विचार की वह पद्धति है जो कि सार्वभौमिक रुप से सभी को मान्य हो।" इस तरह स्पष्ट होता

Scanned with CamScanner

होता है कि comte का Positivism एक वैज्ञानिक सिद्धांत है जो वैज्ञानिक पद्धतियों के द्वारा समाज का अध्ययन करता है साथ ही यह एक धर्म भी है जो वैज्ञानिक सिद्धांतो के द्वारा समस्त मानव समाज को भौतिक, बौद्धिक एवं नैतिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। इतना ही नही बल्कि यह एक नीति और व्यवस्था है जिसमें प्रेम का राज्य है तथा शांति और सुव्यवस्था का शासन है।

आलोचना

Comte का प्रत्यक्षवाद का सिद्धांत कुछ रूपों में दोषपूर्ण प्रतीत होता है जो निम्नलिखित है:-

(1) Comte का Positivism का सिद्धांत इनका मौलिक सिद्धांत नही है। Barnes ने अपनी पुस्तक 'An Introduction to the History of Sociology' मे लिखा है कि Comte से भी पहले Hume, Kant & Gall ने प्रत्यक्षवाद की अवधारणा प्रस्तुत किया था। Comte अपने प्रत्यक्षवाद की अवधारणा में अपने इन पूर्ववर्ती विचारकों से प्रभावित प्रतीत होते हैं। Barnes के शब्दों में "From Hume, Kant & Gall he received his conceptions of Positivism in method & his Physical psychology."

(2) Comte के प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत का एक दोष यह है कि अपने इस सिद्धांत में Comte ने धार्मिक या नैतिक पक्ष को वैज्ञानिक पक्ष से अधिक महत्ता प्रदान किया। उनकी विचारधारा में इस परिवर्तन को उनके अनुयायियों ने पतन के रूप में देखा है। Comte के एक प्रिय शिष्य J. S. Mill ने यहाँ तक लिखा है कि Comte के इस दयनीय पतन पर मुझे रोना आता है। Comte के प्रत्यक्षवाद की आलोचना करते हुए M.W. Vine ने भी लिखा है "Positivism began as both a science & a religion, but as Comte's mysticism increased in his later year, the religious aspect of Positivism become more prominent."

(3) Comte का प्रत्यक्षवाद एक ऐसी जटिल अवधारणा प्रतीत होती है जिसका न कोई एक निश्चित अर्थ है और न निश्चित प्रणाली। यही कारण है कि Rollin chamfliss ने भी लिखा है, "कॉम्ट का प्रत्यक्षवाद अत्यंत अमूर्त धारणा है। धर्म, लोकतंत्र, रूढ़ियाँ आदि अन्य ऐसी ही गुण वाली धारणाओं की भाँति इसके इतने अर्थ है कि इसका अर्थ स्पष्ट नही हो सकता।" (Comte's Positivism is a highly abstract concept, as is the case with all such abstractions, e.g. religion, democracy, the mores it means so much that its meaning can not be clear.)

(4) Comte ने प्रत्यक्षवाद के आधार पर घटनाओं का अध्ययन करने का विचार दिया

किंतु अपनी अमरकृति 'Positive Philosophy' में प्रत्यक्षवाद से सम्बन्धित जो विचार प्रस्तुत किया उस पर वे स्वयं दृढ़ नही रह सके। सामाजिक पुनर-निर्माण की Comte की योजना प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत पर आधारित नही है। अपनी अन्य अवधारणाओं में भी प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत का हनन किया है। इसलिए Comte के सम्बन्ध में Rollin Chambliss ने लिखा है, "प्रत्यक्ष वाद का जन्मदाता मनुष्यों में सबसे कम प्रत्यक्षवादी था।"
(The father of Positivism was the least positive of men)

S. N. Choudhary
1
L.N.M.U

Scanned with CamScanner